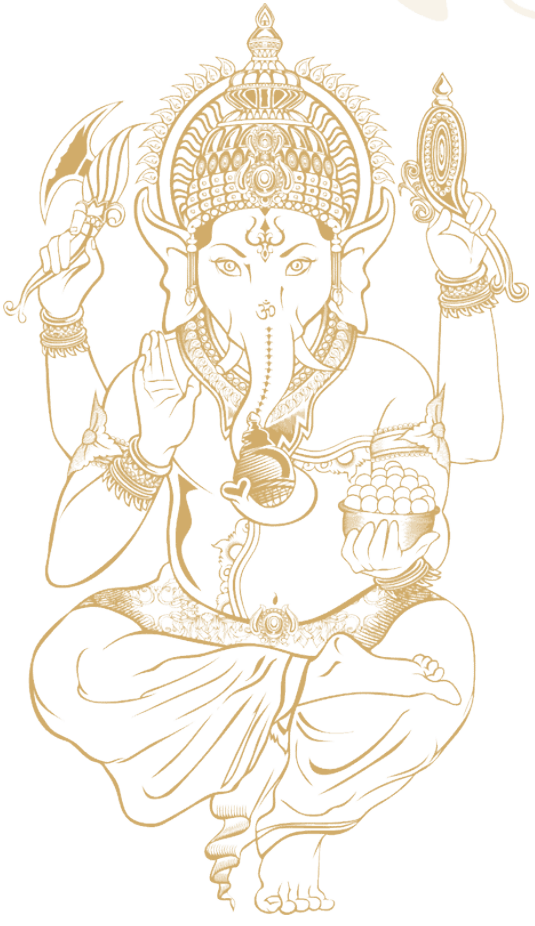

Yuvraj singh

05 Oct 1989

04:45 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121349907

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**4-05/10/1989**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**04:45:00 घंटे**
इष्ट	56:13:15 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:23:52 घंटे
वेलान्तर	00:11:13 घंटे
साम्पातिक काल	05:18:20 घंटे
सूर्योदय	06:15:42 घंटे
सूर्यास्त	18:03:43 घंटे
दिनमान	11:48:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:59:12 कन्या
लग्न के अंश	27:06:43 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	आयुष्मान
करण	बालव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:06:43	317:27:51	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	---
सूर्य			कन्या	17:59:12	00:59:08	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	13:09:41	12:01:46	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	नीच राशि
मंगल		अ	कन्या	16:16:10	00:39:14	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
बुध			कन्या	02:06:29	00:10:15	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
गुरु			मिथु	16:13:21	00:04:34	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	02:06:48	01:07:54	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
शनि			धनु	14:02:24	00:02:18	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	00:52:08	00:05:51	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	00:52:08	00:05:51	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	07:53:02	00:01:16	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
नेप			धनु	15:56:36	00:00:27	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
प्लूटो			तुला	20:05:33	00:02:08	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			वृष	26:42:41	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:00

लग्न-चलित

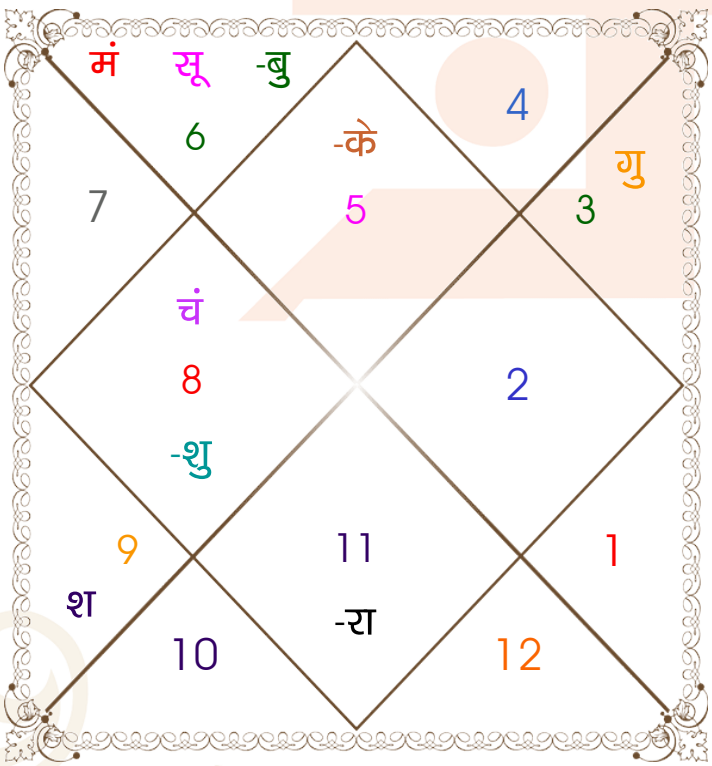

चन्द्र कुंडली

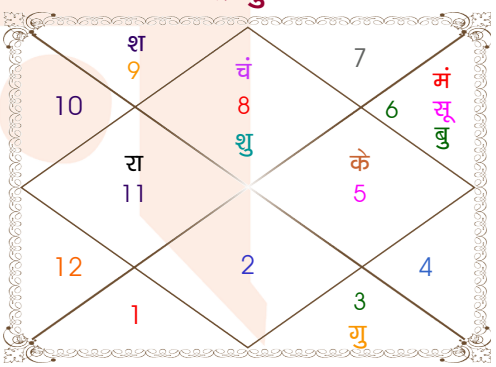

नवमांश कुंडली

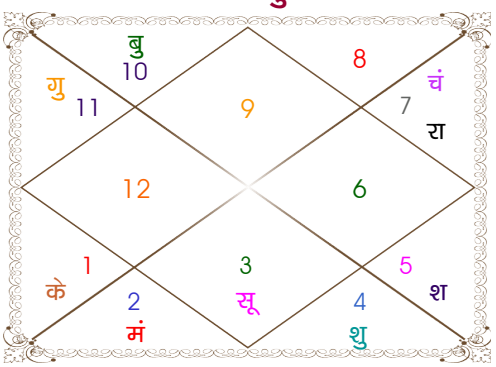

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 4 वर्ष 11 मास 28 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
05/10/1989		03/10/1994		03/10/2011		03/10/2018		03/10/2038	
03/10/1994		03/10/2011		03/10/2018		03/10/2038		03/10/2044	
	00/00/0000	बुध	01/03/1997	केतु	01/03/2012	शुक्र	02/02/2022	सूर्य	21/01/2039
	00/00/0000	केतु	26/02/1998	शुक्र	01/05/2013	सूर्य	02/02/2023	चंद्र	22/07/2039
	00/00/0000	शुक्र	27/12/2000	सूर्य	06/09/2013	चंद्र	03/10/2024	मंगल	27/11/2039
	00/00/0000	सूर्य	02/11/2001	चंद्र	07/04/2014	मंगल	03/12/2025	राहु	21/10/2040
	00/00/0000	चंद्र	04/04/2003	मंगल	03/09/2014	राहु	03/12/2028	गुरु	09/08/2041
	00/00/0000	मंगल	31/03/2004	राहु	21/09/2015	गुरु	04/08/2031	शनि	22/07/2042
	05/10/1989	राहु	18/10/2006	गुरु	27/08/2016	शनि	03/10/2034	बुध	29/05/2043
राहु	22/03/1992	गुरु	23/01/2009	शनि	06/10/2017	बुध	03/08/2037	केतु	03/10/2043
गुरु	03/10/1994	शनि	03/10/2011	बुध	03/10/2018	केतु	03/10/2038	शुक्र	03/10/2044

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
03/10/2044		03/10/2054		03/10/2061		03/10/2079		03/10/2095	
03/10/2054		03/10/2061		03/10/2079		03/10/2095		00/00/0000	
चंद्र	03/08/2045	मंगल	01/03/2055	राहु	15/06/2064	गुरु	21/11/2081	शनि	06/10/2098
मंगल	04/03/2046	राहु	19/03/2056	गुरु	09/11/2066	शनि	03/06/2084	बुध	16/06/2101
राहु	03/09/2047	गुरु	23/02/2057	शनि	15/09/2069	बुध	09/09/2086	केतु	26/07/2102
गुरु	02/01/2049	शनि	04/04/2058	बुध	03/04/2072	केतु	16/08/2087	शुक्र	25/09/2105
शनि	03/08/2050	बुध	01/04/2059	केतु	22/04/2073	शुक्र	16/04/2090	सूर्य	07/09/2106
बुध	03/01/2052	केतु	28/08/2059	शुक्र	21/04/2076	सूर्य	02/02/2091	चंद्र	07/04/2108
केतु	03/08/2052	शुक्र	27/10/2060	सूर्य	16/03/2077	चंद्र	03/06/2092	मंगल	17/05/2109
शुक्र	04/04/2054	सूर्य	04/03/2061	चंद्र	15/09/2078	मंगल	10/05/2093	राहु	06/10/2109
सूर्य	03/10/2054	चंद्र	03/10/2061	मंगल	03/10/2079	राहु	03/10/2095		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 4 वर्ष 11 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।